(e) The members of the delegations are selected keeping in view their knowledge of and expertise in the subject matters of the conferences etc.

Ban on investments by Indian Citizens Abroad

3504. SHRI VAYALAR RAVI: Will the DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have banned Indian citizens staying outside India to invest in any of the prosperous Industrial organization in India;

(b) if so, what are the reasons, and

(c) whether Government propose to lift this ban; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGARWAL): (a) Non resident Indians are permitted to invest upto 20 per cent in the new issues of new companies in selected industries. This facility is not open for investment in the shares of existing companies.

(b) to (d). The intention of the Government is to facilitate inflow of foreign exchange tc promote growth of new industries. Government do not find sufficient justification to modify this policy.

Foreign Exchange earned from Tourist Traffic

3505. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of TOURISM TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange earned from tourist traffic during the last three years; and

(b) the steps taken by Government to attract more tourist to the country?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) The amount of foreign exchange earned from tourist traffic during the last 3 years is estimated as follows:—

Year	Foreign exchange earnings
1976 . .	Rs. 225 crores
1977 . .	Rs. 283 crores
1978 . . .	Rs. 330 crores

(b) In addition to the existing facilities, the folowing are being provided to attract more tourists:—

(i) Major improvements are being made at the four international airports and clearance formalities have been simplified.

(ii) Facilities for water sports, trekking, etc. for youth are being developed.

(iii) Inexpensive, clean and comfortable accommodation is being provided through the construction of Janata hotels for budget-minded international tourists.

(iv) Introduction of direct air-service with more frequency between West Asia and Trivandrum has helped to increase the flow of tourists to South India.

श्री वेंकटेश पेपर एंड बोर्डस (प्राइवेट) लिमिटेड, जिला मदुरै द्वारा उत्पादन शुल्क, सीमाशुल्क तथा आयकर की अदायगी

3506. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्री वेंकटेश पेपर एण्ड बोर्डस (प्राइवेट) लिमिटेड पुष्पपुर गांव, पलानी तालुक, जिला मदुरै, स्वामीनाथपुरम, डाकघर भाड़ादुकुलम–642113 ने गत तीन वर्षों में उत्पादन शुल्क, सीमाशुल्क तथा आयकर की कितनी राशि अदा की है और उन पर आयकर की कितनी राशि बकाया है; और

(ख) इस फर्म में इसके आरम्भ से अब तक, वर्ष-वार कितनी राशि का पूंजी-निवेश किया गया है और इस फर्म में भागीदार कितने हैं और भागीदारों ने अब

तक आयकर की कितनी राशि का भुगतान किया है तथा वे अन्य जिन उद्योगों तथा व्यापारों में भागीदार हैं उनके नाम क्या हैं और उनमें कितनी राशि का पूंजी निवेश किया है तथा उन पर गत तीन वर्ष की आयकर की कितनी राशि बकाया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीजुल्फिकारउल्लाह): (क) जहां तक श्री वेंकटेश पेपर एण्ड बोर्ड्स (प्रा०) लिमिटेड, (गांव-पुष्पपुर), तालुका –पलानी) जिला मदुरै, स्वामीनाथपुरम्, डाकघर-भाड़ाथुकुलम्–642113 द्वारा पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष में की गई सीमा-शुल्क की अदायगी के बारे में सूचना का सबन्ध है, उसे प्रस्तुत करना सम्भव नही है, क्योंकि किसी आयातकर्त्ता/निर्यातकर्त्ता विशेष द्वारा अदा किए गए सीमा-शुल्क का रिकार्ड वर्षवार नहीं रखा जाता ।

प्रश्न में मांगी गई अन्य सूचना एकत्रित की जा रही और यथा संभव शीघ्र सदन-पटल पर रख दी जाएगी।

(ख) यह पता चला है कि श्री वेंकटेश पेपर एण्ड बोर्ड्स (प्रा०) लिमिटेड, (गांव-पुष्पपुर, तालुका-पलानी) जिला मदुरै, स्वामीनाथपुरम्, डाकघर-भाड़ाथुकुलम्–642113 एक कम्पनी है जो कम्पनी अधिनियम के अधीन पंजीकृत है और इस प्रकार इसका कोई भागीदार होने का प्रश्न ही नही उठता । विधि, न्याय और कम्पनी-कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य-विभाग) के पास इस समय उपलब्ध सूचना के अनुसार उक्त कम्पनी के पंजीकरण की तारीख 10 अप्रैल 1974 है । इसमें लगायी गई पूंजी के वर्षवार ब्यौरे, एकत्रित किए जा रहे है और यथा संभव शीघ्र सदन-पटल पर रख दिए जायेंगे ।

उनमें कितनी धनराशि लगाई गई है और गत तीन वर्षों के बारे में उन पर आयकर की कितनी राशि बकाया है ?

वित्त मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री जुल्फिकार उल्लाह) : (क) जहां तक अमरावती श्री वेंकटेश पेपर मिल्स लिमिटेड डाकखाना उदामलपेठ, भाड़ाथुकुलम् (तमिलनाडु) द्वारा पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष की गई सीमाशुल्क की अदायगी के बारे में सूचना का सम्बन्ध है, उसे प्रस्तुत करना सम्भव नही है, क्योंकि किसी भी आयातकर्त्ता/निर्यातकर्त्ता द्वारा अदा किये गये सीमा शुल्क का रिकार्ड वर्ष-वार नहीं रखा जाता है ।

प्रश्न में मांगी गई अन्य सूचना इकटठी की जा रही है और यथा संभव शीघ्र सदन-पटल पर रख दी जायगी ।

(ख) यह पता चला है कि अमरावती श्री वेंकटेश पेपर मिल्स लिमिटेड, डाकखाना उदामल-पेठ. भाड़ाथुकुलम् (तमिलनाडु) एक कम्पनी है जो कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है, और इस प्रकार उसके कोई भागीदार होने का प्रश्न ही नही उठता है । इस समय विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी-का विभाग) के पास उप-लब्ध सूचना के अनुसार, उक्त कम्पनी के पंजीकरण की तारीख 4 जनवरी, 1960 है । इसमें निवेश की गई पूंजी के वर्ष-वार ब्यौरे इकट्ठे किये जा रहे है और यथा समय शीघ्र सदन-पटल पर रख दिये जायेंगे ।

अमरावती श्री वेंकटेश पेपर मिल्स लि०, तमिलनाडु द्वारा उत्पादन शुल्क, सीमा शुल्क और आयकर का भुगतान

3507. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान अमरावती श्री वेंकटेश पेपर मिल्स लि०, पो० आ० उदयलपेठ मदाथुकुलम (तमिलनाडु) ने उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और आयकर के रूप में कितनी धनराशि का भुगतान किया और उन पर आयकर की कितनी धनराशि बकाया है; और

(ख) इस फर्म की स्थापना से अब तक वर्ष-वार इसमें कितनी धनराशि लगाई गई है और इस फर्म के भागीदारों की संख्या कितनी है और उक्त भागीदारों द्वारा आयकर के रूप में अब तक कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है और उन अन्य उद्योगों और व्यापारिक फर्मों के नाम क्या हैं जिनमें वे भागीदार हैं और उनमें से प्रत्येक द्वारा

बालकृष्ण पेपर मिल्स लिमिटेड, बम्बई द्वारा उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क तथा आयकर की अदायगी

3508. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बालकृष्ण पेपर मिल्स लिमिटेड नागरदास रोड अन्धेरी ईस्ट बम्बई ने गत तीन वर्षों के दौरान उत्पादक शुल्क, सीमा शुल्क तथा आयकर के रूप में कितनी राशि अदा की और उनकी ओर आयकर की कितनी राशि बकाया है ; और

(ख) इस फर्म में इसकी स्थापना के समय से अब तक वर्षवार कितनी राशि का निवेश किया गया, इसके भागीदारों की संख्या कितनी है और भागीदारों ने अब तक कितना आयकर अदा किया है और अन्य उन उद्योगों तथा व्यापारियों के क्या नाम हैं जिनमें वे भागीदार हैं और उनमें उन्होंने कितना निवेश कर रखा है और उनकी ओर गत तीन वर्षों का, कितना आयकर बकाया है ?